INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: IX	Department: Hindi	Date of submission: NA
Question Bank: 9	Topic: गीत - अगीत	Note: Pl. file in portfolio

गीत - अगीत कवि - रामधारी सिंह 'दिनकर'

प्रश्न - (1) जब शुक गाता है, तो शुकी के हृदय पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

उत्तर - शुक जब पेड़ की डाली पर बैठ कर गाता है तो उसके गीत से सारा वन गूँज उठता है, पर शुकी गा नहीं सकती क्योंकि वह अपने अण्डों पर पंख फैलाए बैठी है नए जीवन की रचना कर रही है । उसके मन में प्रेम के भाव फूट रहे हैं, उसके हृदय पर अच्छा प्रभाव पड़ता है । उसका मन स्नेह के भावों से भर जाता है ।

प्रश्न - (2) प्रेमी जब गीत गाता है, तब प्रेमिका की क्या इच्छा होती है ?

उत्तर - प्रेमी जब लोक गीत की धुन में अपनी प्रेमिका को बुलाता है तो उसकी इच्छा होती है - काश ! मैं गीत की कड़ी होती जिसे मेरा प्रेमी अपने अधरों से गुनगुनाता । वह गीत की कड़ी बनने की इच्छा रखती है ।

प्रश्न - (3) प्रथम छंद में वर्णित प्रकृति-चित्रण को लिखिए ।

उत्तर - पहले छंद में प्रकृति का चित्रण करते हुए कवि तीव्र गति से बहती हुई नदी का चित्रण करता है । नदी अपने किनारे पड़े पत्थरों से विरह - व्यथा कहती है जिससे उसके दिल का बोझ हल्का हो जाता है । उसके किनारे पर उगा गुलाब चुपचाप खड़ा रह जाता है । कवि ने नदी और गुलाब का बहुत ही सुन्दर प्राकृतिक दृश्य प्रस्तुत किया है ।

प्रश्न - (4) प्रकृति के साथ पशु - पक्षियों के सम्बन्ध की व्याख्या कीजिए ।

उत्तर - पशु-पक्षी प्रकृति के ही अंग होते हैं । प्रकृति का सौन्दर्य पशु-पक्षियों को गीत गाने की प्रेरणा देता है । प्रकृति के सुन्दर दृश्य ही उनमें प्रेम भाव उत्पन्न करते हैं । इस प्रकार वे प्रकृति के अभिन्न अंग बन जाते हैं ।

प्रश्न - (5) मनुष्य को प्रकृति किस रूप में आंदोलित करती है ? अपने शब्दों में लिखिए ।

उत्तर - प्रकृति मनुष्य को अपने कई रूपों में आंदोलित करती है । प्रकृति में व्याप्त संगीत और रंग-बिरंगे पशु-पक्षी आनंद का आभास कराते हैं । प्रकृति का निर्मल वातावरण मनुष्य को तनावों से मुक्त करता है । उसके इन रूपों को देख कर मनुष्य कल्पनाओं में खोकर कवि बन जाता है ।

प्रश्न - (6) सभी कुछ गीत है, अगीत कुछ नहीं होता । कुछ अगीत भी होता है क्या? स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर - 'गीत और अगीत' में यह अंतर है कि गीत दिल में उठने वाली कोमल भावनाओं को व्यक्त करने का माध्यम है जबकि अगीत भावनाओं में डूब कर मौन रह जाने की कला है । मन के भाव जब स्वर पाकर व्यक्त हो जाते हैं तो गीत का जन्म होता है । इसी तरह जब भावों को शब्द नहीं मिलते और अव्यक्त रह जाते हैं तो उस स्थिति को अगीत कहा जाता है । इसलिए अगीत एक नि:शब्द परन्तु भावनापूर्ण अभिव्यक्ति अथवा भाव होता है ।

प्रश्न - (7) 'गीत - अगीत' कविता का वर्ण्य विषय क्या है ?

उत्तर - 'गीत - अगीत' कविता का वर्ण्य विषय प्रकृति की सुन्दरता के अतिरिक्त जीव-जंतुओं के ममत्व, मानवीय राग तथा प्रेम भाव है । कवि को नदी के बहाव में गीत का सृजन होता जान पड़ता है तो शुक - शुकी के कार्य-कलापों में भी गीत सुनाई देता है ।

प्रश्न - (8) गीत - अगीत के केंद्रीय भाव को लिखिए ।

उत्तर - इस कविता का केंद्रीय भाव यह है कि जिस भाव या विचार को शब्द और स्वर के माध्यम से व्यक्त करने की कला प्राप्त हो जाती है वह गीत है और जिस भावना को व्यक्त न किया जा सके बल्कि उसमें और अधिक डूब जाएँ वह अगीत होता है । अगीत मन में रह जाता है । उसकी गूँज केवल मन में रह जाती है ।

************** 06/10/2024 **Prepared** by: सुशील शर्मा ******************